Aff. No. 2131056

Suditi GLOBAL ACADEMY

[Affiliated to C.B.S.E. Delhi]
An ISO 9001:2015 & ISO 14001:2015 Certified School
A Co- Education English Medium, Residential Cum Day Scholar Sr. Sec. School
Devi Bye Pass Road, Nagariya, Mainpuri - 205001 (U.P.)
E-mail: suditiglobalacademy@gmail.com Website: www.suditiglobalacademy.com

दिनांक–01.07.2020

प्रिय अभिभावक बन्धुओ एवं बहनो,
सुदिती नमन

विगत तीन महीनों से देश कोरोना महामारी से संघर्षरत है। वर्तमान में भी इसका खतरा बना हुआ है। ऐसी विषम परिस्थितियों में हम सभी पर स्वस्थ व सुरक्षित रहते हुए अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करने का कार्यभार भी है। परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल हों, आपसी सहयोग व कर्त्तव्य पालन से अनुकूल बन ही जाती हैं। ऐसे समय में अपने–अपने दायित्व निर्वहन की जिम्मेदारी और भी अधिक गुरुतर हो जाती है। विद्यालय परिवार अपना दायित्व 'हैलो पेरेन्ट' एवं 'टीम ऐप' के माध्यम से ऑन लाइन शिक्षण संचालित करके प्रथम दिवस से ही निभा रहा है। ऐसी ही उम्मीद हम आप सभी से करते हैं। देखने में आ रहा है कि कुछ अभिभावक अपने दायित्वों के प्रति काफी उदासीनता बरत रहे हैं।

आपके संज्ञान हेतु कुछ तथ्य दृष्टव्य हैं–

- शासकीय आदेश दिनांक–06–04–2020 की क्रमांक संख्या–2629–2732 के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर आदेश की अनुपालना करते हुए विद्यालय द्वारा 'हैलो पेरेन्ट' एवं 'टीम ऐप' के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कार्य प्रारंभ किया गया था। लॉक डाउन के चलते व कोरोना महामारी की गंभीरता को देखते हुए विद्यालय के पास विद्यार्थियों के शिक्षण कार्य को नियमित रखने का इसके अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प भी नहीं था। इसमें विद्यालय ने अपने सभी विद्यार्थियों को जोड़ा हुआ है। लॉकडाउन को देखते हुए किसी भी कार्य के लिए आप लोगों पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डाला गया। विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वीडियो तथा पी.डी.एफ के रूप में उपलब्ध कराई गई, जिससे कि वे विषय के वीडियो को भलीभाँति समझकर अध्ययन कर सकें, विविध गतिविधियों में व परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। ऑन लाइन शिक्षण व्यवस्था भविष्य में भी इसी प्रकार जारी रहेगी। जब तक कोरोना की भयावहता कम नहीं हो जाती और प्रशासन की ओर से नियमित विद्यालय खोलने के आदेश प्राप्त नहीं हो जाते तब तक विद्यालय इसी प्रकार ऑन लाइन शिक्षण कार्य करने को विवश है। वह अपने छात्रों के स्वस्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खतरा नहीं उठा सकता है।
- प्रशासन के स्पष्ट आदेश हैं कि अभिभावकगण विद्यालय को शिक्षण शुल्क नियमित रूप से प्रदान कर अपने पाल्य के ऑन लाइन शिक्षण में सहयोग करेंगे। इस संदर्भ में विद्यालय मयप्रमाण पूर्व में भी सूचना प्रेषित कर चुका है कि प्रशासन की ओर से शिक्षण शुल्क माफ करने बाबत कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। अतः आपसे निवेदन है कि तथ्यों की सत्यता जानकर ही अपने पाल्य के हितार्थ निर्णय लें।
- वर्तमान समय में विद्यालय विगत वर्ष के कक्षा एवं वर्ग के अनुसार संख्या को अगली कक्षा में प्रोन्नत करके ऑन लाइन शिक्षण से जोड़ा गया है। आप सभी से विनम्र निवेदन है कि आप अपने – पाल्य का देय शिक्षण–शुल्क धीरे–धीरे जमा करके विद्यालय की कार्य व्यवस्था को गति प्रदान करें। जिससे कि विद्यालय प्रबंधन समिति अपने विद्यालय की छात्र संख्या के सटीक आँकड़े जान कर अपनी आगामी योजना का क्रियान्वयन कर अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु ठोस निर्णय ले सके क्योंकि विद्यालय के पास विद्यालय से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को बनाये रखने हेतु शिक्षण शुल्क ही एकमात्र स्रोत है। आय के नियमित स्रोत के बाधित होने पर किसी भी संगठन के लिए लम्बे समय तक सभी व्यवस्थाओं को बनाये रखना बहुत ही कठिन होता है जिसका प्रभाव उससे जुड़े सभी वर्गों को व समस्त व्यवस्थाओं पर नकारात्मक ही पड़ता है।
- यदि आपकी किसी भी प्रकार की समस्या है तो आप व्यक्तिगत रूप से विद्यालय प्रबन्ध समिति से सम्पर्क कर सकते है। विद्यालय सदैव आपकी हर संभव सहायता हेतु तैयार है।
- विद्यालय सभी अभिभावकों के संज्ञान में लाना चाहता है कि 15 जुलाई तक अपने पाल्य का वार्षिक शिक्षण शुल्क एवं अप्रेल व मई माह का मासिक शिक्षण शुल्क भी जमा कराकर अपने पाल्य का नवीन सत्र का प्रवेश सुनिश्चित करें।
- 15 जुलाई के बाद उन सभी विद्यार्थियों का प्रवेश स्वतः ही निरस्त मान लिया जाएगा, जिनका वार्षिक शिक्षण शुल्क जमा नहीं हुआ होगा या विद्यालय के पास कोई लिखित सूचना उनके अभिभावक द्वारा व्यक्तिगततौर पर प्रेषित नहीं की गई होगी।
- आपके पाल्य को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने हेतु हम निरंतर अपनी ऑन लाइन शिक्षण प्रणाली को नवीनता प्रदान करते जा रहे हैं। कुछ दिवस उपरान्त 'हैलो पेरेन्ट' एवं 'टीम ऐप' ऑनलाइन शिक्षण हेतु अपने नये स्वरूप व गुणवत्ता के साथ आपके पाल्य को प्राप्त होंगे। इसका विद्यालय संगठन विश्वास दिलाता है।

धन्यवाद।

डा. राम मोहन
(प्रधानाचार्य)